

प्रेषक,

डी० एस० गब्याल,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आयुक्त एवं सचिव,

राजस्व परिषद,

उत्तराखण्ड।

राजस्व अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 26 जुलाई, 2016

विषय:- वित्तीय वर्ष 2016-17 के लेखानुदान (माह 01 अप्रैल से माह 31 जुलाई, 2016 तक) के अनुदान संख्या-06 के मुख्य लेखाशीर्षक-2029 एवं 2053 के आयोजनेत्तर पक्ष की मानक मद-29-अनुरक्षण में प्राविधानित धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1025/8-भारित मद/2016-17 दिनांक 31 मई, 2016 एवं शासनादेश संख्या-511/XVIII(1)/2016-1(8)/2016 TC-1 दिनांक 29 अप्रैल, 2016 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 के लेखानुदान (माह 01 अप्रैल से माह 31 जुलाई, 2016 तक) के अनुदान संख्या-06 के मुख्य लेखाशीर्षक-2029 एवं 2053 के आयोजनेत्तर पक्ष के संलग्न परिशिष्ट-1 में उल्लिखित लेखाशीर्षकों के मानक मद-29-अनुरक्षण में प्राविधानित कुल ₹ 5769 हजार (₹ सत्तावन लाख उनहत्तर हजार मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखते हुए नियमानुसार आहरण/व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-183/ XXVII(1)/2012 दिनांक 28 मार्च, 2012 तथा तदक्रम में समय-समय पर निर्गत आदेशों के अधीन सॉफ्टवेयर से केन्द्रीय स्तर पर एक विशिष्ट नम्बर प्राप्त करने पर ही धनराशि का आहरण एवं व्यय की जाय।
2. मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। वर्ष के प्रारम्भ से ही मितव्ययता हेतु स्पष्ट योजना बना ली जाय और तदनुसार प्राविधानित आवंटित धनराशि के सापेक्ष बचत का लक्ष्य पूर्व में ही निर्धारित कर, बचत सुनिश्चित की जाय।
3. धनराशि व्यय किये जाने से पूर्व जहां कोई आवश्यक हो, सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा आहरण वितरण अधिकारी धनराशि की फाट कर उसकी प्रति शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न ही व्ययभार सृजित किया जायेगा।
4. बजट नियंत्रण अधिकारी/आहरण वितरण अधिकारी द्वारा इन मदों के अन्तर्गत आहरण एवं व्यय मासिक किशतों में वास्तविक व्यय, आवश्यकता के अनुरूप ही किया जाय।
5. किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1(लेखा नियम) आय-व्ययक से सम्बन्धित नियम(बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियमों, शासनादेशों आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

6. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित वाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में व्यय की प्रतिमाह दिनांक 05 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-8 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
 7. धनराशि को व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें धनराशि व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
 8. राजस्व मद से पूंजी मद में, इसी प्रकार पूंजी मद से राजस्व मद में पुनर्विनियोग पूर्णतः प्रतिबन्धित है।
 9. केन्द्रपोषित योजनाओं में केन्द्रांश की धनराशि भारत सरकार से प्राप्त होने पर प्रस्ताव तत्काल प्रस्तुत किया जाय। केन्द्रांश की प्रत्याशा में धनराशि किसी भी स्थिति में निर्गत नहीं की जायेगी तथा केन्द्र पोषित योजनाओं से किसी अन्य योजनाओं में पुनर्विनियोग पूर्णतः वर्जित है।
 10. वित्तीय स्वीकृतियों के संबंध में व्यय की अनुश्रवण की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय और यदि किसी मामले में सीमा से अधिक व्यय अथवा विचलन दृष्टिगोचर हो तो तत्काल संज्ञान में लाया जाय।
 11. जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाय उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।
 12. बजट नियंत्रण अधिकारी/विभागाध्यक्ष बी0एम0-10 प्रारूप में बजट नियंत्रण पंजी में उनके स्तर पर उपलब्ध बजट तथा उनके स्तर से अधीनस्थ अधिकारियों/आहरण वितरण अधिकारियों को आवंटित बजट का विवरण रखा जाय।
 13. इस संबंध में सम्बन्धित विभागाध्यक्ष/बजट नियंत्रक अधिकारी जिसके नमूना हस्ताक्षर समस्त कोषागारों में प्रचलित हो, के हस्ताक्षर से अनुदान के अधीन आयोजनागत एवं आयोजनेत्तर पक्ष की धनराशियां जारी की जाय अन्यथा कोषागार द्वारा भुगतान नहीं किया जायेगा जिसके लिए सम्बन्धित अधिकारी उत्तरदायी होंगे।
 14. मानक मद के अन्तर्गत प्रतीक (Token) के रूप में रखी गयी धनराशि का आहरण एवं व्यय कदापि नहीं किया जायेगा।
 15. मानक मद-42-अन्य व्यय में स्वीकृत की गयी धनराशि के उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये जाने पर ही धनराशि अवमुक्त की जायेगी।
- 2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के लेखानुदान (01 अप्रैल, से 31 जुलाई, 2016) में अनुदान संख्या-06 के आयोजनेत्तर पक्ष के मुख्य लेखाशीर्षक-2029 एवं लेखाशीर्षक-2053 के अन्तर्गत संलग्न परिशिष्ट में उल्लिखित लेखाशीर्षक की सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 पत्र संख्या-79NP/XXVII(5)/2016 दिनांक 20 जुलाई, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

1

(डी0 एस0 गर्बाल)

सचिव

संख्या-373 /XVIII(1)/2016 एवं तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा देहरादून।
2. महालेखाकार (आडिट), वैभव पैलेस, इन्द्रा नगर, देहरादून।
3. आयुक्त, गढ़वाल एवं कुमाऊं मण्डल पौड़ी/नैनीताल।
4. निदेशक, कोषागार, पेन्शन एवं हकदारी, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
5. वित्त अधिकारी/साईबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
6. समस्त जिलाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. वित्त अधिकारी, आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
9. वित्त (व्यय नियंत्रक) अनुभाग-5/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(जे० पी० जोशी)

अपर सचिव

शासनादेश संख्या-373/XVIII(1)/2016-01(8)/2016 TC-1 दिनांक २६ जुलाई, 2016 का संलग्नक

राजस्व विभाग

अनुदान सं०-06

लेखाशीर्षक	मानक मद	वित्तीय वर्ष 2016-17 लेखानुदान (01 अप्रैल से 31 जुलाई, 2016 तक) की धनराशि (हजार में)	
		आयोजनागत	आयोजनेत्तर
2029-001-03-भू-अध्याप्ति सामान्य राजस्व व्यय-	-29-अनुरक्षण	-	17
2029-001-04-राजस्व आयुक्त अधिष्ठान सामान्य राजस्व व्यय-	-29-अनुरक्षण	-	73
2029-103-03-जिला अधिष्ठान	-29-अनुरक्षण	-	300
2053-093-03-कलेक्टरी स्थापनाएं	-29-अनुरक्षण	-	4529
2053-094-03-राजस्व पुलिस एवं भू-लेख प्रशिक्षण केन्द्र	-29-अनुरक्षण	-	17
2053-101-03-आयुक्त मुख्य कार्यालय	-29-अनुरक्षण	-	833
योग		-	5769

(₹ सत्तावन लाख उनहत्तर हजार मात्र)

(जे० पी० जोशी)
अपर सचिव